हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

06 मरीजों की फैक्ट्री बने जिला अस्पताल...

09 जिस खेत में बर्बाद हुई फसल उसी में किसान ने ...

खबर संक्षेप

श्री गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर होंगे अनेक कार्यक्रम

सागर। श्री गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। 02 नवंबर 2925 को विशाल नगर कीर्तन निकलेगा। श्री गुरु सिंघ सभा सागर द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार गुरुद्वारा भगवानगंज से रविवार 02 नवंबर को सुबह 11:30 बजे से एक विशाल नगर कीर्तन जो कि नगर के प्रमुख मार्गों से निकलेगा। नगर कीर्तन भगवान गंज गुरुद्वारा से शुरू होकर सदर बाजार राधा तिराहा कटरा बाजार तीन बत्ती गौर मूर्ति विजय टाकीज ओवर ब्रिज राधेश्याम भवन श्री गुरुद्वारा भगवान गंज में शाम 6 बजे संपन्न होगा। तत्पश्चात गुरु का लंगर गुरूमुख परिवार बल्लो अटूत बरतेगा।

69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2025

सागर। 69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता एथलेटिक्स बालक/बालिका 19 वर्ष एवं क्रिकेट बालिका 17 वर्ष का उद्घाटन मंत्री खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मध्यप्रदेश श्री गोविन्द सिंह राजपूत के मुख्यअतिथ्य में 1 नवम्बर 2025 दिन शनिवार प्रातः 10 बजे खेल परिसर सागर में संपन्न होगा। कलेक्टर एवं अध्यक्ष राज्य स्तरीय शालेय क्रीडा प्रतियोगिता संदीप जी आर ने बताया कि 69वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 1 नवम्बर से 5 नवम्बर तक चलेगी, जिसमें मध्यप्रदेश के सभी संभागों के 1000 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर एकता दौड़ का आयोजन 31 अक्टूबर को

सागर। सरदार श्री वल्लभ भाई पटेल के 150वें जन्मोत्सव दिनांक 31 अक्टूबर, को पूरे देशभर में मनाया जा रहा है। राष्ट्रीय एकता, अखण्डता और सुरक्षा को बनाये रखने एवं मजबूत करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। इस उपलक्ष्य में पुलिस महानिदेशक मध्यप्रदेश कैलाश मकवाना ने पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए कि 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सभी पुलिस थानों पर एकता दौड़ (रन फॉर यूनिटी) का आयोजन कर राष्ट्रीय एकता का संदेश फैलायें।

फसल अवशेष जलाने पर नियंत्रण हेतु कलेक्टर के मार्गदर्शी निर्देश

सागर। कलेक्टर संदीप जी. आर. ने जिले में फसल अवशेष नरवाई/पराली जलाने की घटनाओं पर नियंत्रण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मध्यप्रदेश शासन, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्रालय, भोपाल द्वारा जारी मार्गदर्शी निर्देशों के संदर्भ में जिले में सघन नरवाई प्रबंधन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। शासन द्वारा सागर जिले को न्यूनतम 600 ग्राम नरवाई जलाने से मुक्त कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिए रीपर बाइंडर, स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम, थ्रेसर, मल्चर, बेलर आदि आधुनिक कृषि यंत्रों का उपयोग बढ़ाने पर बल दिया गया है। कलेक्टर ने किसानों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाने और प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जिला स्तर पर 2 से 3 मास्टर ट्रेनर्स एवं प्रत्येक विकासखंड में 2 या अधिक ट्रेनर्स का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि ग्राम स्तर पर किसानों और कृषि सखियों को सीधा प्रशिक्षण दिया जा सके। साथ ही किसानों को फसल अवशेष प्रबंधन तकनीकों एवं पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराया जाएगा। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विकासखंड में कम से कम 10 ग्राम ऐसे चुने जाएं जहां पिछले तीन वर्षों में पराली जलाने की घटनाएं अधिक हुई हैं, ताकि इन ग्रामों को "फसल अवशेष जलाने से मुक्त ग्राम" बनाया जा सके। उपलब्ध मशीनों के माध्यम से किसानों के खेतों में प्रदर्शन किए जाएंगे।

पहली बार डीएलसीसी में हितग्राही और बैंकर्स बैठे साथ, मौके पर ही जानी समस्याएं और निकाला हल

हितग्राहियों को समय से लोन उपलब्ध कराएं सभी बैंकर्स अनावश्यक दस्तावेजों की मांग न करें बैंकर्सः कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

कलेक्टर संदीप जी. आर. की अध्यक्षता में डीएलसीसी प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना 2.0, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग ऑनलाइन योजना अंतर्गत क्षमता निर्माण घटक में स्व-सहायता समूह के हितग्राहियों का प्रशिक्षण एवं बैठक आयोजित की गई। जिसमें जिले के सभी बैंकर्स, योजनाओं से संबंधित हितग्राही, संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में कलेक्टर संदीप जी. आर. ने अभिनव पहल करते हुए हितग्राहियों द्वारा बताए गए उनके प्रकरणों के संबंध में जानकारी ली तथा बैंकर्स से चर्चा करने के उपरांत मौके पर ही पोर्टल के माध्यम से लोन स्वीकृत कराया। जिले में पहली बार बैंकर्स, हितग्राही एवं अधिकारी एक साथ बैठक में बैठे, जिससे कई व्यावहारिक समस्याओं को मौके पर ही सुना, समझा गया और उनका समाधान निकाला गया।

बैठक में कलेक्टर संदीप जी. आर. ने सभी बैंकर्स से कहा कि हितग्राहियों को समय से लोन उपलब्ध हो सके, इस दिशा में सभी को कार्य करना होगा। कोई भी बैंकर हितग्राहियों से अनावश्यक दस्तावेजों की मांग न करे। साथ ही शासकीय योजनाओं से संबंधित लोन प्रकरणों में सभी बैंकर्स एकरूपता लाने के लिए 'यूनिफाइड सेट ऑफ डॉक्यूमेंट्स' के आधार पर कार्य करें, जिससे बिना किसी भ्रम और परेशानी के आसानी से लोन प्रकरण पूर्ण हो सकें।

कलेक्टर संदीप जी. आर. ने कहा कि सभी बैंकर्स और हितग्राहियों को एक साथ बुलाने का उद्देश्य गैप आइडेंटिफाई कर समस्याओं का हल निकालना है। उन्होंने सभी बैंकर्स और हितग्राहियों से समक्ष में भी बात की। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ विवेक के. वी., लीड बैंक अधिकारी सी. पी. सिंह, आरबीआई, नाबार्ड अधिकारी, परियोजना अधिकारी सचिन मासीश, प्रवास मुंडोतिया, समस्त बैंक के नोडल अधिकारी तथा शासकीय ऋण योजनाओं से जुड़े समस्त विभाग के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने प्रत्येक व्यक्ति को बैंकिंग योजनाओं का लाभ प्रदान करने हेतु बैंकर्स से आवश्यक सहयोग के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बैंकर्स इस संबंध में पहले से ही दिन और समय निश्चित कर लें, जिससे बैंक अधिकारी और हितग्राही दोनों को सुविधा रहे। कलेक्टर ने योजनाओं के लक्ष्य के विरुद्ध प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों को लक्ष्य अनुरूप ऋण आवेदन जमा करने तथा बैंक को आवेदनों का निर्धारित समयावधि में निराकरण करने के निर्देश दिए। इसके अलावा शासन की हितग्राहीमूलक योजनाओं के आवेदन, जो विभिन्न पोर्टल पर लंबित हैं, उन्हें निराकृत करने तथा पीएमएफएमई योजना, पशु एवं मत्स्य केसीसी व अन्य महत्वाकांक्षी योजनाओं का निर्धारित लक्ष्य इस वित्तीय वर्ष में अनिवार्यतः पूर्ण करने के लिए कहा।

कलेक्टर ने हितग्राहियों से की चर्चा

बैठक में कलेक्टर ने रिंकी पटवा, उमाकांत विश्वकर्मा, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, विक्रम बंसल, गणेशी बंसल, विजेंद्र गौर, राकेश सिंह, संगीता शिल्पकार, सत्यम पटेल से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आमतौर पर उन्हें ई-केवाईसी वेरीफिकेशन, संबंधित बैंक में खाता न होना जैसी समस्याएं आती हैं। सभी हितग्राहियों ने बताया कि बैंक में अनेक बार जाना पड़ता है तथा एक ही प्रकार के दस्तावेज भी बार-बार उपलब्ध कराने पड़ते हैं। सभी हितग्राहियों को सुनने के बाद कलेक्टर संदीप जी. आर. ने समस्त बैंकर्स को निर्देशित किया कि सभी बैंकर्स एकरूपता के साथ दस्तावेजों की मांग करें एवं एक समय पर हितग्राहियों को बुलाकर उनसे समस्त दस्तावेजों की पूर्ति कराएं और लोन स्वीकृत करें। उन्होंने कहा कि शासन की लोकहितकारी योजनाओं के माध्यम से हमें हितग्राहियों को लाभान्वित करने का कार्य करना है।

बैंकर्स ने बताया कि स्व-सहायता समूह के अंतर्गत 'मदर बुक' पूर्ण होना चाहिए, ई-केवाईसी पूर्ण होना चाहिए और संबंधित बैंक में खाता होना चाहिए। जिस पर कलेक्टर ने कहा कि इनमें से कियोस्क के माध्यम से हो सकने वाली सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण किया जाए। साथ ही गांव में फाइनेंशियल लिटरेसी कैंप (वित्तीय शिक्षा) आयोजित किए जाएं। बैंकर्स भी गांव में शिविर के माध्यम से समूह के पास पहुंचें और मौके पर ही यथोचित कार्रवाई कर ऋण उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर संदीप जी. आर. ने पीएम स्वनिधि के हितग्राहियों से भी बात की। इनमें बताया गया कि वे योजना के अंतर्गत प्रथम तथा द्वितीय चरण की राशि प्राप्त कर क्रमशः 10,000 तथा 20,000 के ऋण का भुगतान भी कर चुके हैं तथा अब 50,000 के लिए आवेदन दिया है। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित बैंकर्स से कहा कि ऐसे प्रकरणों में बिना किसी देरी के ऋण स्वीकृत करें। उन्होंने पीएमएफएमई के अंतर्गत हितग्राहियों से भी चर्चा की और संबंधित बैंकर्स को यथोचित कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि हमें अनावश्यक दस्तावेजों की मांग करने तथा हितग्राहियों को बार-बार बैंक बुलाने से बचना चाहिए। इससे न केवल हितग्राहियों को समय पर ऋण स्वीकृत हो सकेगा बल्कि बैंकर्स को भी उनके लक्ष्यानुसार कार्य करने में आसानी होगी।

राहतगढ़ बस स्टैंड ब्रिज के पास अवैध अतिक्रमण पर चला निगम का बुल्डोजर

सागर। नगर निगम आयुक्त सह कार्यकारी निदेशक सागर स्मार्ट सिटी श्री राजकुमार खत्री के नेतृत्व में नगर निगम अतिक्रमण टीम ने राहतगढ़ बस स्टैंड ब्रिज के नीचे झुग्गी बस्ती के पास पक्के निर्माण सहित टीन शेड को बुल्डोजर से ढहाया। उक्त निर्माण राहतगढ़ बस स्टैंड ब्रिज के नीचे पुराने पशु बाजार के संचालन हेतु कराया गया था पशु बाजार के विस्थापन पश्चात उक्त निर्माण की आवश्यकता समाप्त होने की स्थिति में निगमायुक्त ने अवैध अतिक्रमण हटवाया व नगर निगम अंतर्गत इस कीमती जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया। उन्होंने निगमकर्मियों को निर्देश देते हुए कहा की यहां से मलवा और अन्य कचरा आदि साफ कर स्वच्छता सुनिश्चित करें। यहां फैली सिंगल यूज प्लास्टिक, डिस्पोजल आदि अन्य गंदगी को भी कचरा गाड़ी में भरवाकर सफाई सुनिश्चित करें। सागर शहर को स्वच्छता में अग्रणी बनाने में इस प्रकार के स्थलों का कायाकल्प महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और सागर को राष्ट्रीय स्तर पर स्वच्छता में अब्बल बनने का रास्ता प्रसस्त करेगा। निगम क्षेत्र अंतर्गत नागरिकों को शासन की समस्त योजनाओं का पात्रतानुसार लाभ दिलाने के साथ निगम की उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर की उनकी जीवन गुणवत्ता को बेहतर बनाना ही हमारा प्रयास होना चाहिए। शहर व्यवस्थित और साफ स्वच्छ होगा तो प्रत्येक नागरिक के मन में भी स्वच्छता सुंदरता के संरक्षण का भाव उत्पन्न होगा। यहां की गंदगी समाप्त होने और निगम की सुविधाएं मिलने से झुग्गी बस्ती के निवासी भी साफ सफाई से रहने हेतु प्रेरित होंगे। उनकी जीवन शैली में सुधार होगा, और सही मायने में शहर का विकास यहां के नागरिकों की जीवन शैली में अभूतपूर्व सकारात्मक परिवर्तन से ही पहचाना जा सकता है। स्थानीय नागरिकों में स्वच्छता, साक्षरता और शासकीय सम्पत्ति की सुरक्षा की भावना विकसित होने पर शहर की स्वच्छता, सुंदरता व सुरक्षा को निश्चित रूप से बल मिलेगा।निगमायुक्त ने मोतीनगर चैराहे पर पहुंचकर चैराहे पर स्थित अग्रवाल मार्केट स्वामी द्वारा सड़क चैड़ीकरण में सहयोग करते हुए स्वयं मार्केट का छज्जा हटाने सहित ऐसे सभी सहयोगी नागरिकों को धन्यवाद दिया जिन के द्वारा स्वयं से ही सड़क चैड़ीकरण हेतु आवश्यक स्थल के नाप चिन्हित स्थल तक अपना अतिक्रमण तोड़कर जगह उपलब्ध करायी जा रही हैं ।

भावांतर योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु जिला एवं मंडी स्तरीय समिति का गठन

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

मध्यप्रदेश शासन द्वारा किसानों के हित में लागू की गई भावांतर योजना के तहत सोयाबीन की खरीदी का कार्य अधिसूचित मंडियों/उप मंडियों में 24 अक्टूबर से 15 जनवरी तक किया जाना हैं। भावांतर योजना के सफल क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर संदीप जी आर के आदेश पर जिलास्तरीय एवं मण्डीस्तरीय समिति का गठन किया गया है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत, उप संचालक, किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग, उपायुक्त सहकारिता, जिला खाद्य अधिकारी उप/सहायक संचालक उद्यानिकी, लीड बैंक अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, प्रभारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र सागर / देवरी सदस्य एवं जिला मुख्यालय पर स्थित कृषि उपज मंडी समिति का सचिव जिलास्तरीय समिति का सदस्य सचिव होंगे। कलेक्टर संदीप जी आर ने बताया कि जिलास्तरीय समिति भावांतर योजना का सुचारू संचालन, योजना संबंधित विवाद का निराकरण करेगी। 15 दिवस में कम से कम एक बार किसान संगठन एवं मण्डी व्यापारियो के साथ बैठक का आयोजन किया जावेगा एवं समस्त बैठको के आयोजन की जिम्मेदारी सदस्य सचिव की होगी। उन्होंने बताया कि जिले के समस्त सांसद/विधायक जिलास्तरीय क्रियान्वयन समिति की बैठक में विशेष आमंत्रित होगे एवं जिले के प्रभारी मंत्री द्वारा अनुमोदित चार किसान भी इस समिति की बैठकों मे विशेष आमंत्रित होगे। मण्डीस्तरीय क्रियान्वयन समिति का भी गठन किया गया है जिसमें भारसाधक अधिकारी, मंडी समिति अध्यक्ष, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी, सहकारिता विस्तार अधिकारी, सहायक/कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी समिति के सदस्य एवं सचिव मण्डी समिति मण्डीस्तरीय समिति के सदस्य सचिव होंगे।

कला, साहित्य और संस्कृति के माध्यम से युवा वर्ग समाज में सकारात्मक परिवर्तन करने में सक्षम : विधायक शैलेंद्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, सागर में बुधवार को जिला स्तरीय युवा उत्सव प्रतियोगिताओं का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें जिले के विभिन्न महाविद्यालय की 17 टीमों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक शैलेंद्र जैन, विशिष्ट अतिथि जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नितिन शर्मा 'बंटी', प्रसिद्ध समाजसेवी डॉ. मीना पिंपलापुरे, डॉ. नीता खन्ना, तथा प्रख्यात रंगकर्मी रविन्द्र दुबे 'कक्का' रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुआ। कार्यक्रम के प्रारंभ में युवा उत्सव कार्यक्रम संयोजक डॉ. संगीता मुखर्जी ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विभिन्न प्रतिस्पर्धाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अमर कुमार जैन ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. राणा कुंजर सिंह ने किया। जिला स्तरीय युवा उत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि विधायक श्री शैलेंद्र जैन ने कहा कि युवा राष्ट्र की सच्ची शक्ति हैं। जब वे कला, साहित्य और संस्कृति के माध्यम से अपनी बात रखते हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संचार होता है। महाविद्यालय का यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा का परिचायक है, बल्कि सागर की सांस्कृतिक समृद्धि का भी प्रतीक है। जनभागीदारी समिति अध्यक्ष नितिन शर्मा 'बंटी' ने कहा कि युवा उत्सव जैसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में आत्म विश्वास, नेतृत्व और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करती हैं। हमें गर्व है कि हमारे जिले के विद्यार्थी हर क्षेत्र में अपनी छाप छोड़ रहे हैं। महाविद्यालय प्रशासन और शिक्षकों का यह प्रयास सराहनीय है।

समाजसेवी डॉ. मीना पिंपलापुरे ने कहा कि युवा उत्सव केवल प्रतियोगिता नहीं, यह आत्म अभिव्यक्ति और संवेदनशीलता का मंच है। इस तरह के आयोजन समाज में सकारात्मकता और सृजनशीलता के बीज बोते हैं।

रंगकर्मी रविन्द्र दुबे 'कक्का' ने कहा कि मंच पर खड़ा हर कलाकार कल को आकार देने का काम करता है वह समाज की आत्मा को अभिव्यक्त करता है। विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों में जो सादगी और सत्यता दिखी, वह भविष्य के बेहतर समाज की झलक है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि महाविद्यालय सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयत्नशील है। इस अवसर पर मंचीय प्रतियोगिताओं के निर्णायक मंडल में शामिल डॉ राकेश सोनी, डॉ पंकज तिवारी, रविन्द्र दुबे कक्का की उपस्थिति में प्रतिभागी छात्र-छात्राओ ने मूक अभिनय, एकांकी, स्किट एवं मिमिक्री जैसी विधाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

वैदिक युग से वर्तमान युग तक राष्ट्र के निर्माण में मातृ शक्ति के योगदान को विस्तार से बताया

गढाकोटा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने पर विद्याभारती द्वारा सम्पूर्ण भारत वर्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है ।इसी श्रंखला में बुधवार को सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यम विद्यालय गढ़ाकोटा में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन संपन्न हुआ ।जिसमें मुख्य अतिथि नपाध्यक्ष संगीता मनोज तिवारी, अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष रश्मि कपस्या, विशिष्ट अतिथि शीतल पटैरिया(महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी) ने की ।मुख्य वक्ता रेखा पटेल एवं श्रीमती सोनाली गुप्ता रही । कार्यक्रम का मंच संचालन अर्चना जैन दीदी ने किया। कार्यक्रम संयोजिका नीतू नामदेव दीदी रही। माँ सरस्वती वंदना तत्पश्चात अतिथि परिचय रीना साहू दीदी ने किया। स्वागत निशा पाण्डे दीदी ने किया। प्रारंभ में संघ की योजना अनुसार पंचपरिवर्तन कुटुम्ब प्रबोधन पर्यावरण संरक्षरण, सामाजिक समरसता, स्व का बोध, एवं नागरिक कर्तव्य पर आधारित नारी शक्ति में निहित सात शक्तियां कीर्ति,श्री वाक, स्मृति, मेघा, ध्वति,क्षमा स्मरण कराया गया । मुख्य वक्ता रेखा साहू ने कुटुम्ब व्यवस्था की ओर पुनः लौटने तथा पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता की ओर इंगित करते हुए जल-जंगत जमीन के संरक्षरण और पूर्वजों द्वारा बनाए नियमों और संस्कृति पर चलते हुए भावी पीढ़ी को यह विरासत सौंपने हेतु प्रेरित किया । सोनाली गुप्ता ने ने वैदिक युग से वर्तमान युग तक राष्ट्र के निर्माण में मातृ शक्ति के योगदान को विस्तार से बताया ।तथा मातृ शक्ति से आहवान किया की परिवार को संगठित करने में मातृ शक्ति को आगे आना ही होगा । कार्यक्रम में आभार व्यक्त निशा पाण्डे , किया एवं समस्त अभिभावक, पूर्व छात्र, कर्मचारी, शिशु एवं प्राथमिक विभाग की दीदी उपस्थित रही।

पार्श्व गायिका प्रियंका श्रीवास्तव और उनके अरोमा म्यूजिकल ग्रुप ने शानदार गीतों की प्रस्तुतियां दी

इस दीवाली पर नये भारत की ताकत और संकल्प शक्ति का संदेश दुनियां में गयाःपूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

इस वर्ष देश ने दो दीपावली मनाईं। आपरेशन सिंदूर में भारत की मिसाइलों ने पाकिस्तान में दीपावली मनाई जिससे पूरे विश्व में नये भारत की ताकत और संकल्प शक्ति का संदेश गया है। यह पर्व अंधकार पर प्रकाश और अज्ञान पर ज्ञान की विजय का पर्व है। यह उद्गार पूर्व गृहमंत्री, पूर्व सांसद, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने सागर में आयोजित दीपावली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए व्यक्त किए।

पूर्व गृहमंत्री सिंह ने कहा कि इस वर्ष की दीपावली पर देश में व्यापार ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जीएसटी घटाए जाने के निर्णय से 146 करोड़ लोगों को फायदा हुआ है। उन्होंने बताया कि दीपावली के तीन दिनों 6 लाख 5 हजार करोड़ का कारोबार हुआ है जो एक रिकार्ड है। यह आंकड़ा दुनिया के 105 देशों की जीडीपी से बड़ा है। इसमें से भी 85 प्रतिशत कारोबार रिटेल में हुआ है जिसका लाभ छोटे व्यापारियों को हुआ है। पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और देश के महापुरुषों पं दीनदयाल उपाध्याय, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, श्यामा प्रसाद मुखर्जी,डा आंबेडकर ने देश को स्वदेशी के माध्यम से आत्मनिर्भरता का जो मंत्र दिया है उसका प्रभाव हमने इस दीपावली पर देखा है। बाजारों में स्वदेशी की धूम थी और 87 प्रतिशत लोगों ने विदेशी छोड़ कर भारतीय उत्पादों को खरीदा है। धनतेरस पर एक लाख कारों की डिलीवरी हुई है यानि हर मिनट 70 चौपहिया वाहन बिके हैं। उन्होंने बताया कि डिजिटल इंडिया ने भी नया रिकार्ड बनाया है। 74 करोड़ लोगों ने यूपीआई ट्रांजेक्शन किया है। यह उपलब्धियां बताती है कि 21 वीं सदी भारत की है और देश विश्वगुरु बनने की ओर तेजी से बढ़ रहा है। देश ने सेमी कंडक्टर बनाया है तो अयोध्या में राम मंदिर भी बनाया है। हम विज्ञान और टेक्नोलॉजी में ही नहीं, धर्म और संस्कृति में भी समानता से आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि आज देश दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी सैन्य ताकत है। उन्होंने कहा कि मिलन समारोह भारत की सामूहिक चेतना के प्रतीक हैं। भारत के ज्ञान व आध्यात्म के पीछे पूरी दुनिया है।

पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह ने जैसे ही आयोजन स्थल आदर्श गार्डन में प्रवेश किया उनका स्वागत गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा और मल्टीकलर आतिशबाजी की रंगारंग छटा से हुआ। स्वागत द्वार पर रंगोली और दीपमालिकाओं की सजावट थी। मंच पर नगर के अनेक सामाजिक, स्वयंसेवी संगठनों ने पूर्व गृहमंत्री भूपेन्द्र सिंह का पुष्पहारों और गुलदस्तों से स्वागत किया। इनमें साहू समाज, वाल्मीकि समाज, स्वर्णकार समाज, मानव अधिकार संघ, जैसे संगठन शामिल रहे।

कार्यक्रम में अविराज सिंह ने आर्केस्ट्रा के साथ दो गीतों को शानदार स्वरों में सुनाए तो आडिएंस उनके साथ नाचने गाने लगी। "तेरे जैसा यार कहां कहां ऐसा याराना " तथा ' ये दोस्ती हम नहीं तोड़ेंगे' गीत सुना कर अविराज सिंह ने अपनी गायन प्रतिभा से सबको चकित कर दिया। दीपावली मिलन समारोह की शाम मुंबई से आईं पार्श्व गायिका प्रियंका श्रीवास्तव और उनके अरोमा म्यूजिकल ग्रुप के गीतों की शानदार प्रस्तुतियों से सजी थी। संचालन जिला भाजपा उपाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह ने किया आभार कार्यक्रम के आयोजक तिलहन संघ के अध्यक्ष महेश साहू ने व्यक्त किया।

निगम आयुक्त के नेतृत्व में नलों में टोंटी लगाने का अभियान की लक्ष्मीपुरा वार्ड से हुई शुरुआत

सागर। सागर शहर में पेयजल सप्लाई लाईन के लीकेज व नल कनेक्शनों के माध्यम से बहते ट्रीटेड पेयजल की बर्बादी रोकने और पेयजल संरक्षण हेतु नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के नेतृत्व में "नलों में टोंटी लगाने के अभियान" का शुभारंभ लक्ष्मीपुरा वार्ड से किया गया। निगमायुक्त श्री खत्री ने पेयजल सप्लाई के दौरान उक्त वार्ड में विभिन्न घरों के नल कनेक्शन चैक किये और जिन घरों के नल कनेक्शनों से पानी व्यर्थ बह रहा था उनमें टोंटी लगवाने के साथ ही ऐसे तमाम नालों में टोंटी लगाकर पेयजल की बर्बादी रोकने के निर्देश दिये। उन्होंने हर्डीकर घाटी के पास नाली में पानी के तेज बहाव को देखकर पाईप लाईन चैक करवाई इसमें पाया गया की पाईप लाईन में लीकेज था इस लीकेज को सुधारकर पानी की बचत करने के बजाय पानी के फव्वारे को रोकने के लिए इसे पत्थर की मदद से ढक दिया गया था। उक्त लीकेज को निगमायुक्त ने समक्ष में खड़े होकर तत्काल सुधार कराया। उन्होंने निगमकर्मियों को निर्देश देते हुए कहा की प्रत्येक वार्ड प्रभारी इस प्रकार के लीकेज चिन्हित कर उनमें सुधार कराएं अन्यथा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी। यह अभियान एक सप्ताह तक संचालित होगा, जिसके अंतर्गत शहर के विभिन्न क्षेत्रों में बिना टोंटी वाले नलों में टोंटी लगाई जाएगी तथा नागरिकों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त श्री खत्री ने बताया कि कई स्थानों पर नलों में टोंटी न होने के कारण पेयजल सप्लाई के दौरान बड़ी मात्रा में पानी व्यर्थ बह जाता है, इससे जल की अनावश्यक बर्बादी के साथ ही सड़कों पर गंदगी एकत्रित हो जाती है। इस समस्या के समाधान के लिए नलों में टोंटी लगाने के अभियान के साथ नगर निगम सागर द्वारा शहर में पेयजल के अपव्यय को रोकने की एक महत्वपूर्ण पहल की गई है।निगमायुक्त ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि नलों में टोंटी लगाकर हम न केवल पानी की बचत कर सकते हैं।

बैड की संख्या बढ़ी लेकिन सुविधाएं जस की तस, दलाली तंत्र अब भी सक्रिय !

मरीजों की फैक्ट्री बने जिला अस्पताल में 500 बैड के जश्न पर उठे रहे सवाल...?

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

प्रदेश सरकार द्वारा जिला अस्पताल में बैड की संख्या 300 से बढ़ाकर 500 कर दिए जाने की ख़ुशी में सत्ताधारी पार्टी के नेताओं द्वारा जश्न व ख़ुशी मनाये जाने को लेकर जनता ने सवाल उठाना शुरू कर दिए है। जिले की जनता ने सोशल मीडिया पर उक्त जश्न व ख़ुशी की बखिया उधेड़ते हुए कहा कि जिस जिला अस्पताल को मरीजों की फैक्ट्री के रूप में उपयोग कर निजी अस्पतालो में ले जाकर मरीजों का इलाज कर रूपये लूटे जा रहे हो और दवाइयों के नाम पर मरीज की जेब पर डाका डाला जा रहा हो। उस अस्पताल में बैड की संख्या बढ़ने से मरीज को क्या लाभ होगा। क्योंकि जिला अस्पताल में मरीज को इलाज तो मिलता नहीं। बल्कि मरीजों की दलाली की जाति है।

नेता बता रहे उपलब्धि तो जनता बता रही दलालो का फायदा

जिला अस्पताल में बैड की संख्या 300 से बढ़ाकर 500 कर दिए जाने के निर्णय को सत्ताधारी जनप्रतिनिधियों ने इसे जिले के लिये उपलब्धि बताते हुए खुशी जताई और इसे स्वास्थ्य क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि बताया। लेकिन वहीं दूसरी ओर संशय जाहिर करते हुए जनता ने सवाल उठाते हुए कहा कि क्या सिर्फ बैड बढ़ा देने से मरीजों को वास्तविक राहत मिलेगी। या बैड बढ़ने से उन लोगो को फायदा मिलेगा

सवाल उठता है, किसके लिए बढ़ाए गए बैड?

जो जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों से इलाज की जगह व्यापार करते है?

स्टाफ कम, सुविधाएं वही, सिर्फ बैड संख्या बढ़ी

शहर से राघवेंद्र सिंह बुंदेला, अनिल रिछारिया, मलिक सिंघई, रमेश खरे, शत्रुघन शर्मा, सुधीर जैन, शिशुपाल सिंह, राहुल खरे, राजेश कुमार, आशीष चौरसिया, पुष्पेंद्र तिवारी, दिनेश सिंह सेंगर, मनोज शुक्ला मोहनगढ़ आदि जिलेवासियो ने कहा कि जब जिला अस्पताल में बैड 100 से बढ़ाकर 300 किए गए थे, तब भी हालात में कोई खास सुधार नहीं हुआ था। इलाज में पारदर्शिता की कमी, दवाओं में कमीशनखोरी, दवाओं की अनुपलब्धता, और डॉक्टरों की कमी जैसी समस्याएं जस की तस बनी रहीं। और अब बैड संख्या 300 से 500 होने के बाद भी मरीजों को भर्ती के बाद समय पर इलाज, जांच और दवा के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। जिलेवासियो ने कहा कि बैड संख्या बढ़ाने के साथ साथ अगर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति में सुधार लाया जाये तो मरीज को फायदा मिलेगा।

दलाली तंत्र बना सबसे बड़ा संकट

जिलेवासियो ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिला अस्पताल अब इलाज का केंद्र कम और मरीजों को निजी अस्पतालों तक पहुंचाने की फैक्ट्री ज्यादा बन चुका है। मरीजों को मामूली बीमारियों में भी रेफर कर निजी क्लिनिकों में भेजा जाता है। बताया जाता है कि इस प्रक्रिया में कुछ लोग कमीशनखोरी के जरिए मोटी रकम कमा रहे हैं। ऐसे में आमजन की उम्मीदों का अस्पताल अब दलाली का अड्डा बनता जा रहा है। जिला अस्पताल मरीज के आते ही निजी अस्पतालो, दवा बिक्रेताओं के दलाल सक्रिय होकर मरीज को अपनी ओर आकर्षित करने लगते हैं। और अगर जिले में काम नहीं बनता तो रेफर कर मरीज को जिले के बाहर अन्य जिले में भी कमीशन वाले अस्पताल में भेजकर मोटा कमीशन कमाया जाता है।

जिला अस्पताल से निजी क्लिनिकों व अस्पतालो की चांदी

टीकमगढ़ शहर में निजी क्लिनिकों व अस्पतालो की भरमार है। इनमें से अधिकांश क्लिनिकों में वही मरीज पहुंचते हैं जिन्हें जिला अस्पताल से किसी न किसी बहाने भेजा जाता है। इन क्लिनिकों में न केवल महंगी फीस वसूली जाती है बल्कि दवाइयों पर भी भारी कमीशन का खेल चलता है। परिणामस्वरूप मरीजों की जेब खाली होती है और इलाज फिर भी अधूरा रह जाता है। साथ ही मेडिकल स्टोर भी चिन्हित किये गये हैं। इन मेडिकल के अलावा मरीज को कहीं और दवा नहीं मिल सकती।

सिविल सर्जन ने बताई स्टॉफ व अन्य कमियों को पूरा करने की जरूरत

वहीं दूसरी ओर जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ अमित शुक्ला ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि जिला अस्पताल में उपकरणों की कोई कमी नहीं है। लेकिन एक तरफ डॉक्टर्स व स्टॉफ की कमी और दूसरी तरफ मरीजों की भरमार की स्थिति के चलते स्वास्थ्य व्यवस्था में थोड़ी कमी रह जाती होगी। अन्यथा जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराये जाने के भरसक प्रयास किये जाते हैं। सिविल सर्जन डॉ शुक्ला ने बताया कि 500 बैड बढ़ाना निश्चित रूप से मरीजों के लिये एक लाभदायक कदम है। लेकिन इसके साथ ही स्टाफ की कमी भी पूरी हो जाये तो मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधायें नियत समय पर उपलब्ध हो सकेगी। उन्होंने बताया कि जिला अस्पताल में स्पेशलिस्ट डॉक्टर के 40 पद स्वीकृत है लेकिन अभी मात्र 15 स्पेशलिस्ट डॉक्टर ही मौजूद है। इसी तरह मेडिकल ऑफिसर 21 की जगह 11, स्टॉफ नर्स 142 की जगह 112 ही मौजूद है। जबकि मरीजों की प्रतिदिन ओपीडी संख्या 2 हजार से ज्यादा रहती है।

चहेते ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने का अंदेशा

आरईएस विभाग पर लगा टेंडर घोटाले का गंभीर आरोप

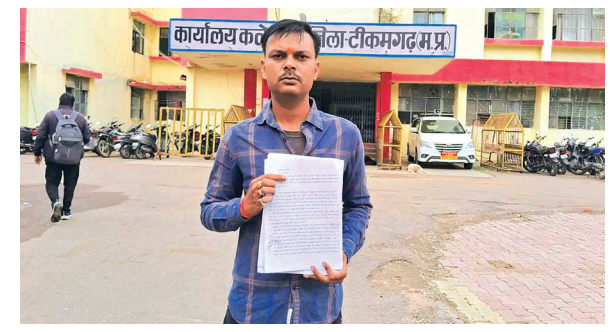

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

जिले के ग्रामीण यांत्रिकी सेवा आरईएस विभाग में टेंडर प्रक्रिया में अनियमितताओं का गंभीर मामला सामने आया है। आरटीआई कार्यकर्ता शुभम व्यास ने इस संबंध में प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ और जिला कलेक्टर को लिखित शिकायत सौंपी है। जिसमें ऑफलाइन टेंडर के नाम पर चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया गया है।

शिकायतकर्ता शुभम व्यास ने आरोप लगाया है कि प्रभारी कार्यपालन यंत्री अर्पित चौधरी और निविदा लिपिक ने शासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए ऑफलाइन निविदाएं आमंत्रित कीं, जिससे शासन को भारी आर्थिक नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि यह खुलासा सूचना के अधिकार आरटीआई से प्राप्त दस्तावेजों में हुआ है। कार्यकर्ता व्यास ने दावा किया है कि विभागीय अधिकारियों ने चहेते ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने के लिए मिलीभगत कर नियमों को ताक पर रखा। यह अनियमितताएं पीएम श्री विद्यालय योजना, खेल मैदान निर्माण, बास्केटबॉल, फुटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट, मरम्मत कार्यों, तथा शौचालय निर्माण जैसी परियोजनाओं में की गईं। आरटीआई से मिली जानकारी के अनुसार, जहां अधिकांश कार्य ई-टेंडरिंग प्रणाली से 24 से 35 प्रतिशत कम दरों पर हुए, वहीं अजनौर, आचार्य धाम, कंजना, देरी, अनंतपुरा और स्यावनी जैसे गांवों में जानबूझकर ऑफलाइन निविदाएं आमंत्रित की गईं। इससे प्रतिस्पर्धा समाप्त हुई और कुछ फर्मों को अनुचित आर्थिक लाभ मिला। शुभम व्यास ने यह भी बताया कि एक ही योजना के तहत समान प्रकृति के कार्यों को कृत्रिम रूप से छोटे भागों में तोड़कर अलग-अलग टेंडर निकाले गए, जबकि नियमों के अनुसार ऐसे कार्यों के लिए एकीकृत निविदा जारी की जानी चाहिए थी। उदाहरण के तौर पर, ग्राम अनंतपुरा और स्यावनी में पांच-पांच लाख रुपये के खेल मैदान निर्माण कार्यों को तीन भागों में विभाजित कर अलग-अलग ऑफलाइन निविदाएं जारी की गईं। इसी प्रकार, अनुसूचित जाति सीनियर बालक छात्रावास चंदेरा और कन्या छात्रावास डुंडा में भी मरम्मत कार्यों के लिए ऑफलाइन निविदाएं आमंत्रित की गईं, जिनमें मनचाहे ठेकेदारों को लाभ पहुंचाया गया। शुभम व्यास ने अपनी शिकायत में यह भी उल्लेख किया कि देवेंद्र खरे, शारदा कंस्ट्रक्शन और मां वैष्णो इलेक्ट्रिकल्स जैसी फर्मों को बार-बार अनुचित लाभ पहुंचाया गया है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि बीते चार वर्षों में जारी सभी ऑफलाइन निविदाओं की विस्तृत जांच कराई जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। आरटीआई कार्यकर्ता व्यास ने यह भी कहा कि यह मामला केवल आर्थिक गड़बड़ी का नहीं, बल्कि शासन के ई-गवर्नेंस और पारदर्शिता के सिद्धांतों का उल्लंघन है। यदि इसकी निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो उच्च स्तर पर जनहित याचिका दायर की जाएगी।

सिंधिया की पहल से ओरछा से अयोध्या तक वंदे भारत चलाने की तैयारी

दिवस ओरछा, शयन अयोध्या की भावना अब दौड़ेगी पटरियों पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

श्रीराम राजा सरकार की पावन नगरी और विश्वस्तरीय पर्यटन स्थल ओरछा अब देश की सबसे तेज और आधुनिक ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस से जुड़ने की राह पर है। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर झांसी से अयोध्या के बीच चलने वाली वंदे भारत ट्रेन में ओरछा को प्रमुख स्टेशन बनाने का अनुरोध किया है। अपने पत्र में सिंधिया ने धार्मिक दृष्टि से इस मार्ग की आध्यात्मिक महत्ता को रेखांकित करते हुए लिखा कहते हैं सर्वव्यापक राजाराम के दो निवास हैं खास, दिवस रहत ओरछा शयन अयोध्या वास। अतः यदि यह ट्रेन वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी से चलकर ओरछा, चित्रकूट, प्रयागराज होते हुए अयोध्या तक चलाई जाए तो यह न केवल आस्था से जुड़ी यात्रा होगी बल्कि सांस्कृतिक एकता की प्रतीक भी बनेगी। इस ट्रेन से श्रद्धालु एक ही

यात्रा में तीन प्रमुख तीर्थस्थलों ओरछा, चित्रकूट और अयोध्या के दर्शन के साथ त्रिवेणी संगम प्रयागराज में स्नान का भी पुण्य प्राप्त कर सकेंगे। यदि यह ट्रेन प्रारंभ होती है तो यह मार्ग धार्मिक पर्यटन, व्यापारिक गतिविधियों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का नया केंद्र बनेगा। यात्रियों को आरामदायक, आधुनिक और तीव्र गति का सफर मिलेगा, वहीं ओरछा की पहचान अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने पत्र में उल्लेख किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं ओरछा को वर्ल्ड हेरिटेज सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। अतः यह ट्रेन न केवल श्रद्धा का सेतु बनेगी बल्कि प्रधानमंत्री की दृष्टि को भी साकार करेगी। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने अपने एक अन्य पत्र में ओरछा स्टेशन से गुजरने वाली तुलसी एक्सप्रेस, महाकौशल एक्सप्रेस, चंबल एक्सप्रेस और उत्तर प्रदेश संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का स्टॉपेज ओरछा में करने की मांग भी रखी है। उन्होंने कहा कि ओरछा में लगातार बढ़ रहे पर्यटक, धार्मिक और स्थानीय यात्रियों की संख्या को देखते हुए यह निर्णय जनहित में आवश्यक है। गौरतलब है कि भाजपा नेता विकास यादव की निरंतर मांग पर ही पहले उदयपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस और बुंदेलखंड एक्सप्रेस का स्टॉपेज ओरछा स्टेशन पर कराया गया था, जिससे स्थानीय नागरिकों और पर्यटकों को सीधा लाभ मिल रहा है। अब वंदे भारत ट्रेन की मांग पर सिंधिया की पहल से ओरछा के विकास का नया अध्याय खुलने की उम्मीद है।

पुलिस व चिकित्सा विभाग की समन्वय बैठक करके तय की जवाबदेही

'समय पर रिपोर्ट न मिलने से होता है पीड़ित के अधिकारों का हनन'

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

किसी भी न्यायायिक कार्यवाही में एमएलसी और पोस्टमार्टम जैसी रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराना न्यायिक प्रक्रिया की अनिवार्य आवश्यकता होती है। क्योंकि उक्त रिपोर्ट में अनावश्यक देरी होने से न केवल विवेचना प्रभावित होती है बल्कि पीड़ित पक्ष के न्यायिक अधिकारों का हनन भी होता है। इसलिए अब यह जबाबदेही तय की जाए कि उत रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराई जाये। उक्त सख्त निर्देश पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई ने पुलिस और चिकित्सा विभाग की समन्वय बैठक में दिए।

जिले में एमएलसी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में लगातार हो रही देरी को लेकर पुलिस अधीक्षक मनोहर सिंह मंडलोई की अध्यक्षता में 28 अक्टूबर को पुलिस कंट्रोल रूम में पुलिस और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य रिपोर्ट जारी करने की प्रक्रिया में तेजी लाना और दोनों विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना रहा। बैठक में पुलिस विभाग की ओर से अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह

कुशवाहा, एसडीओपी जतारा अभिषेक गौतम, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक बृजेन्द्र चाचोदिया, थाना प्रभारी देहात निरीक्षक चन्द्रजीत सिंह यादव, सीसीटीएनएस प्रभारी सुनील प्रजापति, रत्नेश बेडिया, जिला अस्पताल चौकी प्रभारी राहत खान और आदर्श शर्मा मौजूद रहे। वहीं चिकित्सा विभाग से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीके माहोर, आरएमओ डॉ डीएस भदौरिया, असिस्टेंट मैनेजर डॉ अंकुर साहू, सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के चिकित्सा अधिकारी तथा कंप्यूटर ऑपरेटर शुभम श्रीवास ने सहभागिता की। बैठक में पुलिस अधीक्षक मंडलोई ने एमएलसी और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की कानूनी एवं विवेचनात्मक महत्ता पर विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए कहा कि रिपोर्टों का समय पर मिलना न्यायिक प्रक्रिया की अनिवार्य आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अनावश्यक देरी न केवल विवेचना को प्रभावित करती है बल्कि पीड़ित पक्ष के न्यायिक अधिकारों पर भी असर डालती है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि रिपोर्टों में हो रही देरी को तत्काल समाप्त किया जाए और सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं। उन्होंने कहा कि समयबद्ध रिपोर्टिंग से न्यायिक कार्यवाहियों में गति आएगी और जनविश्वास भी मजबूत होगा।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह कुशवाहा ने बैठक में हाल के एमएलसी और पोस्टमार्टम प्रकरणों की स्थिति प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि अधिकांश रिपोर्टें समय पर प्राप्त नहीं हो पा रही हैं, जिससे जांच की प्रक्रिया बाधित होती है। इस पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ पीके माहोर ने रिपोर्टों में हो रही देरी के कारणों पर विस्तार से जानकारी दी और भरोसा दिलाया कि स्थिति में सुधार के लिए त्वरित कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी इस कार्य को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, उनके खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही की जाएगी। साथ ही सुझाव दिया कि भविष्य में दोनों विभागों की संयुक्त बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाएं, जिससे कार्य में पारदर्शिता और दक्षता बनी रहे।

प्रधान आरक्षक यादव पर रिश्वत लेने के आरोप निकले झूठे

पलेरा। जिले के थाना पलेरा में पदस्थ प्रधान आरक्षक ग्यासी लाल यादव पर लगाए गए रिश्वत के गंभीर आरोप झूठे साबित हुए हैं। जांच के दौरान सामने आया कि यह पूरा मामला गलतफहमी और झूठे आरोपों पर आधारित था। मामला तब चर्चा में आया जब चारी निवासी मुकेश यादव ने पुलिस अधीक्षक टीकमगढ़ को एक आवेदन देकर प्रधान आरक्षक ग्यासी लाल यादव पर 20,000 की रिश्वत लेने का आरोप लगाया था। आवेदन में दावा किया गया था कि यादव ने किसी प्रकरण में मदद के बदले यह रकम ली है। हालांकि, इस आरोप के कुछ ही दिनों बाद दांतगोरा निवासी सीमा आदिवासी ने थाना पलेरा में एक नया आवेदन देकर सच्चाई सामने रखी। अपने बयान में सीमा ने स्पष्ट कहा पूर्व में मैंने मुकेश यादव के खिलाफ मजदूरी के पैसे न देने की शिकायत की थी। मुझे मुकेश से करीब 35,000 रुपये मिलने थे। इनमें से 20,000 रुपये मुकेश ने एक व्यक्ति के फोन-पे नंबर पर भेजे थे, जो रकम मुझे

मिल गई थी। इस पूरे मामले में प्रधान आरक्षक ग्यासी लाल यादव ने सिर्फ मेरी मदद की थी। उन पर लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं। सीमा आदिवासी के इस लिखित आवेदन के बाद स्थिति साफ हो गई कि प्रधान आरक्षक ग्यासी लाल यादव ने कोई रिश्वत नहीं ली, बल्कि वह एक मजदूर महिला को उसका मेहनताना दिलवाने में सहयोग कर रहे थे। जांच में यह भी पाया गया कि मुकेश यादव द्वारा लगाया गया आरोप किसी व्यक्तिगत रंजिश या गलतफहमी के कारण किया गया था। पुलिस सूत्रों का कहना है कि अब शिकायतकर्ता के आवेदन की सत्यता की जांच की जा रही है और यदि आरोप झूठे पाए गए, तो भ्रामक शिकायत देने वाले के खिलाफ भी कार्रवाई की जा सकती है।

पानी सप्लाई शुरु होते ही होने लगा रिसाव, चार वर्ष बाद भी कार्य अधूरा

ये तो हद है....करोड़ों की लागत से बनी टंकी पानी में गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

शासन की करोड़ो रूपये की लागत की जनहितकारी योजनाओं का जमीनी हश्र क्या होता है, इसकी अगर वानगी देखना है तो जिले की बम्होरी बराना पंचायत में जाकर देखा जा सकता है। जहाँ कुछ माह पूर्व ही करोड़ो की लागत से बनी पानी की टंकी से भ्रष्टाचार और लापरवाही की बजह से रिसाव होने लगा। जबकि उक्त पानी की टंकी से अभी नल कनेक्शन कार्य भी पूरा नहीं हुआ। अभी कुछ जगह ही उक्त पानी की टंकी से सप्लाई की जा रही लेकिन टंकी से पानी का रिसाव होने लगा। उक्त आरोप लगाते हुए बम्होरी पंचायत निवासियों में उक्त मामले में भारी आक्रोश पनप रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि हम ग्रामवासियो ने सोचा था कि अब घर के नलों में स्वच्छ पानी आने से गाँव में अब पानी की किल्लत से छुटकारा मिल जायेगा लेकिन अधिकारियो की अनदेखी व लापरवाही और ठेकेदार के भ्रष्टाचार की बजह से पंचायत में पानी किल्लत दूर होने का सपना टूटता नजर आ रहा। यह मामला सरकारी परियोजनाओं में होने वाली देरी, भ्रष्टाचार और लापरवाही का एक ज्वलंत उदाहरण है, जो सीधे तौर पर आम जनता के जीवन को प्रभावित करता है। उक्त मामले में जब संबंधित ठेकेदार से बात करने का प्रयास किया गया तो उनसे बात नहीं हो पाई।

20 सालो की आस व सपने पर फिरा पानी

बम्होरी बराना पंचायतवासियों ने बताया कि करोड़ों रुपए की लागत से बन रही पानी की टंकी का कार्य पिछले 4 सालों से अधूरा पड़ा है, और अब तो इससे पानी का रिसाव भी शुरू हो गया है। यह खबर ऐसे समय में सामने आई है जब ग्रामीण 20 साल से स्वच्छ पेयजल के लिए तरस रहे हैं। इस घटना ने प्रशासन और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है।

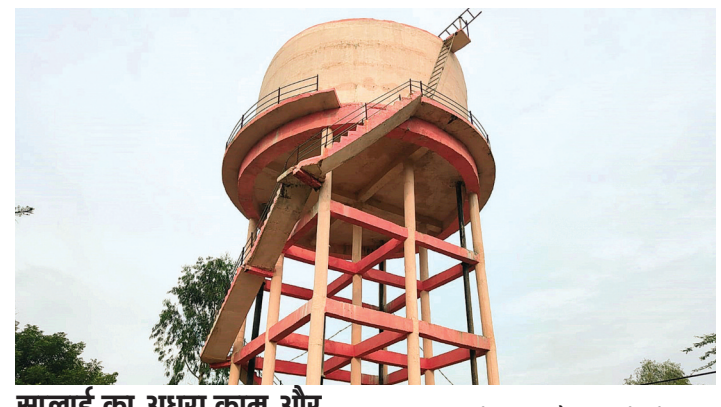

सप्लाई का अधूरा काम और बढ़ता इंतजार

लगभग 20 हजार की आबादी वाले बम्होरी बराना में पेयजल संकट एक गंभीर समस्या है। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि यह पानी की टंकी उनकी इस समस्या का समाधान करेगी। हालांकि, 4 साल बीत जाने के बाद भी टंकी से सप्लाई का काम रुका हुआ है, जिसके कारण अधिकांश घरों तक पानी की सप्लाई नहीं हो पा रही है। ग्रामीणों को अभी भी दूर-दराज से पानी लाना पड़ रहा है, या फिर महंगे टैंकरों पर निर्भर रहना पड़ रहा है।

अधूरे प्रोजेक्ट में रिसावः कौन जिम्मेदार?

इससे भी चिंताजनक बात यह है कि काम पूरा होने से पहले ही इस पानी की टंकी से रिसाव शुरू हो गया है। ग्रामीणों ने जब यह देखा तो उनका गुस्सा और भी बढ़ गया। करोड़ों रुपए की लागत से बन रही इस टंकी में घटिया सामग्री के इस्तेमाल और निर्माण में लापरवाही का आरोप लग रहा है। सवाल यह उठता है कि इतनी बड़ी परियोजना में ऐसी लापरवाही कैसे हो सकती है, और इस करोड़ो रुपए के नुकसान का जिम्मेदार कौन होगा? ग्रामीणों का कहना है कि यह जनता के पैसे की बर्बादी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

सड़क जाम और खोखले आश्वासन

गर्मी के मौसम में पानी की समस्या विकराल रूप ले लेती है। कई बार पानी की किल्लत से तंग आकर ग्रामीणों ने मुख्य सड़क पर बर्तन रखकर जाम भी लगाया है। इस दौरान दिगौड़ा पुलिस और तहसील लिधौरा से आए अधिकारी उन्हें आश्वासन देकर जाम खुलवा देते हैं। लेकिन ये आश्वासन अब तक खोखले ही साबित हुए हैं, और ग्रामीणों की समस्या जस की तस बनी हुई है।

आत्महत्या करने वाले किसान के परिवार को मुआवजा की मांग करते हुए लगाया जाम

जिस खेत में बर्बाद हुई फसल उसी में किसान ने फांसी लगाकर दे दी जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

असमय बारिश से बर्बाद हुई फसल के सदमे में आए एक किसान कैलाश मीणा निवासी सिरसौद (50) ने उसी खेत में लगे पेड़ पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली जिस खेत में उसकी धान की फसल बेमौसम बारिश से खराब हुई थी। किसान द्वारा की गई आत्महत्या के बाद क्षेत्र के किसान और नेता मृतक के परिवार को मुआवजा दिलाने की मांग को लेकर दिनभर हंगामा करते रहे। मृतक के गृह गांव जैनी में एंबुलेंस में रखें शव को हंगामा कर रहे किसान नेता और ग्रामीणों ने देर शाम तक उतारने नहीं दिया और शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते रहे। इस दौरान पुलिस और प्रशासन ने नेताओं को समझाने का भरसक प्रयास किया पर किसान नेता परिजनों को 50 लाख रुपए मुआवजा की घोषणा होने से पहले दाह संस्कार करने को तैयार नहीं हुए। बाद में प्रशासन के आश्वासन के बाद भी धरना जारी रहा। इससे पहले अस्पताल में पूर्व मंत्री रामनिवास रावत ने पहुंचकर मृतक के परिजनों से चर्चा की ओर उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया। बुधवार की सुबह ग्रामीण जब खेतों की ओर घूमने गए तो उन्हें सिरसौद के माड़ में कैलाश मीणा का शव पेड़ की डाल पर लटका दिखा।

विधायक ने एंबुलेंस से उतरा शव पुलिस ने वापस रखा

किसान के आत्महत्या करने की सूचना मिलने पर सबसे पहले जिला अस्पताल पहुंचने वालों में विधायक बाबू जंडेल थे जिन्होंने पोस्टमार्टम के बाद शव अपने साथ ले जाने की जिद्द की लेकिन पुलिस और प्रशासन शव देने को तैयार नहीं हुआ। इस बहस के दौरान विधायक और अन्य नेताओं ने एंबुलेंस के आगे खड़े होकर हंगामा किया एंबुलेंस को आगे जाने से रोक लिया बाद में विधायक ने एंबुलेंस का गेट खुलवाकर शव को नीचे यह कहते उतार लिया कि हमारे पास गाड़ी है हम अपनी गाड़ी से शव को ले जाएंगे पर किसानों के मनसूबे भाप पुलिस ने तत्काल ही शव को वापस एंबुलेंस में रखवा दिया और एंबुलेंस को मृतक के गांव सरसोद ले गई लेकिन जेनी तिराहे पर फिर विधायक सहित किसानों ने एंबुलेंस को रोक दिया और मुआवजा दिलाने की मांग हंगामा के साथ करते रहे। इस दौरान मृतक किसान के परिजन भी इस आंदोलन के दौरान मौजूद रहे।

कैलाश ने गले में डालने वाली साफी से फंदा लगाकर आत्महत्या की थी। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए और जैसे तैसे शव को पेड़ से उतारकर जिला अस्पताल पहुंचाया जिसे पोस्टमार्टम उपरांत पुलिस एंबुलेंस में रखकर दाह संस्कार करने के लिए मृतक के गांव सिरसौद ले गई लेकिन रास्ते में ही जैनी तिराहे पर विधायक बाबू जंडेल के नेतृत्व में किसानों और नेताओं ने एंबुलेंस को रोक लिया और सड़क पर धरना शुरू कर दिया। करीब दोपहर 12:00 बजे से शुरू हुआ धरना देर शाम 5:30 बजे तक चलता रहा।

इस दौरान धरना दे रहे किसानों और नेताओं की पुलिस प्रशासन एवं प्रशासनिक अधिकारियों से मान मुनव्वल चलती रही। प्रशासन शव का दाहसंस्कार करने देने का अनुरोध यह कहते हुए करता रहा कि प्रशासन आपकी मांग को शासन तक पहुंचा देगा राशि और राहत प्रदान करना शासन के हाथ में है। प्रशासन के हाथ नहीं पर किसान मौके पर ही घोषणा करवाने पर अड़ गए जिसके चलते दिन भर जाम की स्थिति बनी रही। धरना प्रदर्शन के दौरान भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्व विधायक बृजराज सिंह चौहान और पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेंद्र जाट, भाजपा नेता रामलखन नपाखेडली भी पहुंच गए इससे पहले विधायक श्योपुर बाबू जंडेल, विजयपुर मुकेश मल्होत्रा पूर्व नपाध्यक्ष दौलत राम गुप्ता, किसान नेता राम लखन हिरनी खेड़ा, किसान कांग्रेस के जिला अध्यक्ष जसवंत सिंह मीणा, युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राम भरत मीणा, राहुल चौहान, किसान नेता अनिल जाट आदि मौजूद रहे। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ सौम्या आनंद, एडिशनल एसपी प्रवीण भूरिया, एसडीएम गगन मीणा, एसडीओपी बड़ौदा प्रवीण अष्ठाना, डीएसपी हेड क्वार्टर पीएन गोयल सहित आसपास के थानों व पुलिस लाइन का फोर्स यहां मौजूद रहा।

पहली बार खेत में बोर कराकर लगाया था धान

ग्रामीणों की माने तो किसान कैलाश मीणा के पास कुल छह बीघा जमीन थी। जिसमें उसने इस साल बोर खनन कराकर पहली बार धान की फसल बोई थी, जिस कारण उसे पर कर्जा भी हो गया था। मगर किसान को उम्मीद थी कि यह कर्जा धान की फसल तैयार होने के बाद चुकता कर देगे। मगर पहली बार बोई गई धान की फसल इस तरह बारिश के कारण बर्बाद हो जाएगी,यह उसने कभी सोचा नहीं था और किसान फसल खराब होने का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सका। बता दें कि मृतक किसान के तीन संतान है। जिसमें दो बेटा और एक बेटी है। धरने में शामिल मृतक किसान की बेटी को प्रशासन की ओर से उसे अपने पिता के दाह संस्कार के लिए मनाया गया लेकिन आंदोलनकारी नेताओं की बात मानकर मृतक की बेटी भी उनके साथ धरने पर बैठ गई। किसान नेताओं का कहना था कि मृतक पर डेढ़ लाख रुपए का केसीसी कर्ज है, बिजली का बिल बकाया है कर्ज में डूबा किसान ने बेमौसम बारिश से बर्बाद हुई फसल को देखकर आत्महत्या की है। ऐसे में उसका केसीसी और बिजली का बिल माफ करने के साथ 50 लाख रुपए का मुआवजा परिजनों को दिए जाने की मांग किसान नेता करते रहे।

2003 की वोटर लिस्ट से 40 फीसदी मतदाताओं के नाम का मिलान नहीं

शुद्ध होगी जिले की वोटरलिस्ट, 655 बीएलओ हर मतदाता का सत्यापन करने पहुंचेंगे घर-घर

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर जिले में बनी दोनो विधानसभा क्षेत्रों की वोटरलिस्ट का शुद्धिकरण होगा। इसके लिए पूरे मध्यप्रदेश के साथही श्योपुर जिले में वोटरलिस्ट के शुद्धिकरण के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम शुरू कर दिया गया है। इस कार्यक्रम के तहत जिले के 655 बीएलओ जिले के सभी मतदाताओं के घर पर जाकर उनका सत्यापन करेगे। बताया जा रहा है कि वर्ष 2003 की मतदाता सूची से नए मतदाओं के नाम मिलान की प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है। इसमें जिले के करीब 40 फीसदी मतदाता ऐसे हैं जिनका नाम या उनके माता पिता के नाम का मिलान 2003 की मतदाता सूची से नहीं हो पाया है। ऐसे मतदाओं के नाम को पुनः उनके और भी सगे संबंधियों के नाम से मिलान किया जाएगा, जिससे कि स्थिति स्पष्ट हो सके। इस अभियान में जो बीएलओ और सुपरवाइजर लगेगे,उनका निर्वाचन विभाग के द्वारा प्रशिक्षण आयोजित कराया जाएगा।बताया गया है कि जिले की दोनों विधानसभा क्षेत्रो श्योपुर और विजयपुर की 2025 की वोटरलिस्ट में 5 लाख 16 हजार 973 मतदाताओ के नाम शामिल है। मतदाता सूची में शामिल सभी मतदाताओं का गणना पत्रक घर पहुंचाया जाएगा। यह कार्य जिले के 655 बीएलओ 4 नवंबर से 4 दिसंबर तक करेंगे। इस गणना पत्रक में मतदाताओं का पूरा प्री-डाटा होगा। मतदाता इसमें कोई सुधार कराना चाहते हैं तो गणना पत्रक में सुधार कर सकेंगे। इस दौरान बीएलओ नए नाम जोड़ने फार्म 6, मृत व्यक्तियों या फिर बाहर जाने वालों के नाम कटवाने के लिए फार्म 7 व सुधार के लिए फार्म नंबर 8 भरवाने का कार्य करेंगे। इसके लिए बीएलओ अपने-अपने क्षेत्र में 3 बार भ्रमण करेंगे। इस दौरान गणना पत्रक देने व फिर उसे वापस लेने का कार्य करेंगे। बता दें कि श्योपुर विधानसभा में 329 तो विजयपुर विधानसभा में 326 बीएलओ बनाए गए है।

जिले में मतदाताओं की स्थिति

विधानसभा	पुरूष	महिला	थर्ड जेंडर	कुल	बीएलओ
श्योपुर	134280	125990	01	260271	329
विजयपुर	134478	122222	02	256702	326
कुल	268758	248212	03	516973	655

ऐसे चलेगा पूरा कार्यक्रम

-गणना पत्रक प्रिंटिंग एवं प्रशिक्षण 28 अक्टूबर से 3 नवबर तक
-घर-घर गणना पत्रक वितरण 4 नवंबर से 4 दिसंबर 2025 तक
-प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसंबर 2025
-दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि 9 दिसंबर से 8 जनवरी 2026 तक
-सुनवाई एवं प्रमाणीकरण 9 दिसंबर से 31 जनवरी 2026 तक
-अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 फरवरी 2026

यात्री बस में आगजनी की घटना के बाद हरकत में आई पुलिस

यात्री बसों की चेकिंग करने सड़क पर उतरी यातायात पुलिस, 2 बसें जब्त, 8 पर जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मंगलवार को ढोढर थाना क्षेत्र स्थित चंबल नहर रोड पर एक यात्री बस में आग लगने की घटना सामने आने के बाद हरकत में आई यातायात थाना पुलिस ने बुधवार को यात्री बसों की चेकिंग करने के लिए सड़क पर उतरी। यातायात पुलिस ने 30 यात्री बसों की चेकिंग के दौरान 8 यात्री बसों में खामियां पाए जाने पर 18 हजार रूपए का जुर्माना किए जाने की कार्रवाई की। जबकि दो यात्री बसों को जब्त कर उनके कोर्ट चालान बनाए गए।

पुलिस अधीक्षक सुधीर कुमार अग्रवाल के निर्देशन में यातायात थाना प्रभारी संजय सिंह राजपूत बुधवार को अपने थाने की पुलिस टीम के साथ यात्री बसों की चैकिंग करने के लिए बस स्टैंड पर पहुंचे। इस दौरान अलग अलग सडक मार्गो पर यात्री बसों की चेकिंग की गई। इस चैकिंग के दौरान 8 यात्री बसों में प्रदूषण प्रमाण पत्र नहीं होने और बीमा, अग्निशमन यंत्र न होने जैसे कई खामियां पाई गई। इन यात्री बसों पर 18 हजार रूपए का चालान किया। वहीं एक मिनी स्कूल बस तथा एक यात्री बस को बिना परमिट और फिटनेस व बीमा

संबंधी दस्तावेज कंपलीट न होने के कारण जब्त करते हुए उनके कोर्ट चालान बनाए गए। इस दौरान यातायात प्रभारी संजय सिंह राजपूत ने सभी यात्री बस संचालकों को समझाइस देते हुए कहा कि सभी यात्री बसों में जरूरी दस्तावेज कंपलीट होने के साथही 5 किलो का अग्निशमन यंत्र, मेडिकल किट बॉक्स,इमरजेंसी गेट होना चाहिए। इन नियमों का पालन नहीं करने वाली यात्री बसों को सडकों पर चलने नहीं दिया जाएगा।

बसपा ने सौंपा ज्ञापन, बिन सर्वे दिया जाए मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

बीते दिनों हुई बे मौसम बारिश से बर्बाद हुई फसल का मुआवजा किसानों को दिलाने की मांग करते हुए बहुजन समाज पार्टी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा जिसमें पूरे जिले को आपदा ग्रस्त क्षेत्र मानकर बिन सर्वे के मुआवजा दिलाने की मांग की गई है।

कलेक्टर के प्रतिनिधि के रूप में ज्ञापन लेने पहुंचे डिप्टी कलेक्टर संजय जैन को बहुजन समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष गंगाधर जाटव ने बताया कि विगत तीन दिनों से बिन मौसम हुई बारिश से खेतों में धान की फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई है जो धान काटकर खेत में छोड़ी गई थी उसका तो एक दाना भी नहीं बचा है जो फसल खड़ी हुई है वह भी भीग कर बर्बाद हो गई है। ऐसे में किसानों के आगे जीवन मरण का प्रश्न आन खड़ा हुआ

है। पीड़ित किसानों को मुआवजा दिलाया जाए इसके लिए बिन सर्वे पूरे जिले को आपदाग्रस्त घोषित किया जाए 1 साल का बिजली बिल माफ किया जाए और केसीसी कर्ज वसूली खत्म की जाए। बसपा जिला प्रभारी हरिमोहन बौद्ध के नेतृत्व में सौंपे ज्ञापन प्रदर्शन के दौरान बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

तंबाकू स्वास्थ्य एवं समाज दोनों के लिए हानिकारक

श्योपुर।तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के साथ-साथ समाज के लिए भी हानिकारक है तंबाकू में 4000 घातक रसायनों में से सबसे ज्यादा घातक रसायन कार्बन मोनोऑक्साइड, टार, निकोटिन, एसीटोन, आरसेनिक, डीडीटी होते हैं कार्बन मोनोऑक्साइड खून में ऑक्सीजन की मात्रा को कम करता है।
यह बात तंबाकू मुक्त अभियान के नोडल अधिकारी डॉ प्रदीप शर्मा ने बुधवार को राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत पुलिस कंट्रोलरूम में आयोजित पुलिस अधिकारियों की कार्यशाला को संबोधित करते हुए कही। कार्यशाला में आरआई अखिलेश शर्मा, सहित पुलिस विभाग के अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। नोडल अधिकारी डॉ प्रदीप शर्मा ने आगे कहा कि किनिकोटिन कोकीन और मॉर्फिन जैसा ही नशीला तत्व है जो व्यक्ति को नशे का आदी बनाता है, टार मूलतः कार्सिनोजेनिक कैंसर कारक रसायन है यह तंबाकू के धुएं में होता है यह प्राणघातक रसायन धूम्रपान करने वाले के साथ-साथ तंबाकू सेवन करने वाले के द्वारा छोड़े धुएँ से संपर्क में रहने वाले व्यक्ति को भी शिकार बना लेता है। स्वास्थ्य विभाग के मीडिया अधिकारी आरबी शाक्य ने बताया कि पुलिस विभाग द्वारा तंबाकू मुक्त युवा अभियान 3.0 के तहत शिक्षण संस्थानों एवीएन सार्वजनिक संस्थानों के आस-पास या 100 गज की दूरी पर तंबाकू विक्रय पर रोक लगाई जावे एवं शहरी क्षेत्र में चालानी अभियान चलाया जाये

कराहल में एक दिवसीय अल्पविराम कार्यक्रम आयोजित

श्योपुर। कलेक्टर अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन एवं जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी सौम्या आनंद के निर्देशन में एक दिवसीय अल्पविराम परिचय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जनपद पंचायत कराहल के सभागार में राज्य आनन्दम संस्थान एवं जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। इस अवसर पर सीईओ जनपद पंचायत कराहल राकेश शर्मा, बीईओ कराहल प्रदीप श्रीवास्तव, जन अभियान परिषद की जिला समन्वयक नेहा सिंह, मास्टर ट्रेनर प्रदीप मुदगल, प्रमोद शर्मा, दिलीप पटेलिया, दीपक खंडेलवाल,दीपक दुबे, वीरेन्द्र पाराशर आदि उपस्थित रहें। मास्टर ट्रेनर प्रदीप मुदगल ने आनन्दम संस्थान की गतिविधियों से परिचित कराते हुए अनेकानेक गतिविधियों के माध्यम से प्रातिभागियों को विस्तार से प्रायोगिक तरीके से प्रशिक्षण दिया गया। समापन के अवसर पर अतिथियों द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। प्रशिक्षण मे उपस्थित अतिथियों का जन अभियान परिषद की व्यक्त किया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक नेहा सिंह ने किया एवं आभार प्रदर्शन ब्लॉक समन्वयक नीतू गौतम ने किया।

तत्कालीन प्राचार्य व माध्यमिक शिक्षक निलंबित

श्योपुर। कलेक्टर अर्पित वर्मा द्वारा नियम विरूद्ध तरीके से अतिथि शिक्षको की अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने के मामले में तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य जितेन्द्र बित्तल शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मकडावदाकलां के विरूद्ध निलबंन की कार्यवाही की गई है। इसी प्रकार माध्यमिक शिक्षक पदम रावत शासकीय माध्यमिक विद्यालय बडौदिया बिंदी संकुल केन्द्र शासकीय उमावि मकडावदा कलां को तत्कालीन संकुल प्राचार्य के साथ मिलकर नियम विरूद्ध तरीके से अतिथि शिक्षक स्वयं की पत्नि के कार्य दिवसो में वृद्धि किये जाने, अधिक वेतन भुगतान कराने एवं नियम विरूद्ध तरीके से अनुभव प्रमाण पत्र ऑनलाइन किये जाने पर निलंबित किया गया है। जारी आदेश के अनुसार तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य बित्तल द्वारा अपने कार्यकाल में अतिथि शिक्षको का नियम विरूद्ध तरीके से वेतन भुगतान करने, कार्य दिवसो में वृद्धि करने एवं नियम विरूद्ध तरीके से अनुभव प्रमाण पत्र जारी किये जाने का कृत्य गठित जांच समिति के प्रतिवेदन में सिद्ध होना पाया गया है। इसी प्रकार माध्यमिक शिक्षक पदम रावत द्वारा प्राचार्य से मिलकर नियम विरूद्ध तरीके से अतिथि शिक्षक अपनी पत्नि के कार्य दिवसो में वृद्धि किये जाने, अधिक वेतन भुगतान कराने एवं नियम विरूद्ध तरीके से अनुभव प्रमाण पत्र ऑनलाइन किये जाने का कृत्य गठित जांच समिति के प्रतिवेदन से सिद्ध होना पाया गया है। इस मामले में तत्कालीन प्रभारी प्राचार्य बित्तल एवं माध्यमिक शिक्षक रावत को निलंबित करने की कार्यवाही की गई है। निलंबन अवधि में दोनो लोक सेवको का मुख्यालय डीईओ कार्यालय श्योपुर किया गया है।

प्रधानमंत्री आवास योजना 0.2 व पीएम स्वनिधि कैंप आयोजित

दो सैकड़ा स्ट्रीट वेंडर्स को बैंकर्स ने किया सम्मान जनक व्यवसाय के लिए चिन्हित

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

सड़क किनारे बैठकर धंधा करने वाले गरीब स्ट्रीट वेंडर्स को सम्मानजनक रूप से अपना व्यवसाय करने का अधिकार देने वाली पीएम स्वनिधि योजना के तहत नगर पालिका के माध्यम से विभिन्न वार्डों में जो शिविर लगाए जा रहे हैं उसके तहत अभी तक 6 सैकड़ा से अधिक लोगों ने आवेदन किए हैं। इनमें से 206 आवेदनों को विभिन्न बैंकर्स ने लोन देने के लिए स्वीकृत कर लिया है। जबकि करीब 4 सैकड़ा आवेदनों का भी परीक्षण किया जा रहा है। यह योजना उन स्ट्रीट वेंडर्स के लिए है जो काम तो कर सकते हैं लेकिन काम शुरू करने के लिए उनके पास पूंजी नहीं है इसी क्रम में बुधवार को नगर पालिका सभागार में कैंप लगाकर आवेदन आमंत्रित किए गए। जिसमें पीएम आवास योजना के तहत आवेदन लेने ओर पूर्व में स्वीकृत आवेदनों के निराकरण के लिए परामर्श दिया गया।

पीएम स्वनिधि योजना, जिसे 'प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि' भी कहते हैं, सड़क विक्रेताओं (रेहड़ी-पटरी वालों) के लिए एक सरकारी माइक्रो-क्रेडिट योजना है, जिसे आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने 1 जून 2020 को शुरू किया था। इसका मुख्य उद्देश्य कोविड-19 से प्रभावित सड़क विक्रेताओं को पूंजी ऋण उपलब्ध कराना है ताकि वे अपना काम फिर से शुरू कर सकें। इस योजना को समय समय आगे बढ़ाने का काम सरकार के निर्देश पर किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पालिका ने भी ऐसे स्ट्रीट वेंडर जिनका काम कोरोनाकाल की वजह से छूट गया था को दोबारा से व्यवसाय करने के लिए बैंक से लोन दिलाकर हाथ निर्भर बनाने का प्रयास किया है ऐसे दो सैकड़ा से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को लोन देने के लिए विभिन्न बैंकर्स ने आवेदन स्वीकृत कर लिए हैं। जिन्हें कभी भी प्रमाण पत्र बांटे जा सकते हैं। अभी शिविर में आवेदन और लिए जा रहे हैं इसलिए स्ट्रीट वेंडर्स की संख्या बढ़ सकती है सीएमओ आरआर यादव ने ऐसे स्ट्रीट वेंडर से योजना का लाभ लेने की अपील की है जो सम्मानजनक रूप से ईमानदारी के साथ अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं और उनके पास पैसे की कमी है।

पीएम आवास योजना 2.0 बनी मुसीबत

नपा द्वारा लगाए गए शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत आवेदन करवाने और किए गए आवेदनों के बाद हितग्राही को आ रही समस्या का निराकरण भी किया गया था पर इस योजना के तहत अधिकतर फरियाद सुनाने वह लोग ही शिविर में पहुंचे जिनके जो योजना के लिए पात्र तो है लेकिन उनके पास मकान बनाने के लिए जमीन के वैध दस्तावेज नहीं हैं। ज्ञात होगी नई योजना में अब आवास की किस्त तभी डाली जाएगी जब संबंधित हितग्राही के पास भवन बनाने के लिए जमीन के स्वामित्व का अधिकार वाले कागज उपलब्ध होंगे। इसके लिए सरकार में धारणा अधिकार योजना के तहत उस जमीन का पट्टा देने की योजना बनाई है जिस जमीन पर कब्जा जमा कर रह रहे हैं। धारणा अधिकार के तहत हजारों की संख्या में ऐसे आवेदन एसडीएम कार्यालय में निराकरण के लिए पड़े हुए हैं उनका निराकरण नहीं होने से सरकार की पीएम आवास योजना 2.0 फलीभूत नहीं हो रही है।

योजना की मुख्य विशेषताएं:

ऋण की राशि: योजना के तहत, विक्रेताओं को पहले 10,000 का बिना गारंटी (संपार्श्विक-मुक्त) कार्यशील पूंजी ऋण दिया जाता है, जिसे एक साल में चुकाना होता है।

ब्याज सब्सिडी: समय पर ऋण चुकाने पर, विक्रेता 20,000 और 50,000 तक के उच्च ऋण के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिन पर 7% की ब्याज सब्सिडी मिलती है।

डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा: यह योजना विक्रेताओं को डिजिटल लेनदेन अपनाने के लिए प्रोत्साहित करती है, और इसके लिए डिजिटल भुगतान करने पर प्रति माह 100 तक का कैशबैक भी दिया जाता है।

लक्ष्य: इसका उद्देश्य सड़क विक्रेताओं को औपचारिक रूप से सशक्त बनाना और उनके लिए नए आर्थिक अवसर खोलना है, जो शहरी अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इनका कहना है...

पीएम स्ट्रीट वेंडर योजना में पहले प्रथम किस्त के रूप में 10000 रूपए लोन मिलता था जिसे बढ़ाकर 15000 रूपए कर दिया है दूसरी किस्त अब 25000 रूपए मिलेगी। जो स्ट्रीट वेंडर लोन लेकर अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते है वह आवेदन कर सकते है।

आरआर यादव
सीएमओ श्योपुर

गाजे बाजे के साथ निकाली कलश यात्रा शुरू हुआ श्रीमद भागवत रस पान

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शहर के श्री हजारेश्वर महादेव मेला रंगमंच पर बुधवार को श्रीमद भागवत रस पान महोत्सव शुभारंभ कलश यात्रा निकाले जाने के साथ हुआ। गाजेबाजे के साथ निकाली गई कलश यात्रा में बडी संख्या में महिला और बालिकाएं सजधकर अपने सिर में कलश लेकर शामिल हुई। वहीं धर्मप्रेमी लोग भी बडी संख्या में कलश यात्रा में चल रहे थे। कलश यात्रा पारख जी बाग स्थित श्री गोर्वधन नाथ मंदिर से आरंभ हुई। गाजेबाजे के साथ यह कलश यात्रा शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए कथा स्थल श्री हजारेश्वर मेला रंगमंच पर पहुंची। शहर में जहां होकर भी यह कलश यात्रा गुजरी,वहां का वातावरण धर्ममय हो

गया। कलश यात्रा के बाद श्री हजारेश्वर मेला रंगमंच पर विधिवत देव पूजन उपरांत आचार्य गोस्वामी बृजोत्सव महोदय महाराज ने श्रीमद भागवत कथा का मंगलाचरण आरंभ किया। बताया गया है कि यह भागवत रसपान महोत्सव 3 नवंबर तक जारी रहेगा। इस दौरान दोपहर 12:15 बजे से शाम 4 बजे प्रतिदिन भागवत कथा का वाचन किया जाएगा। कथा के दौरान श्री ठाकुर जी का उत्सव मनोरथ भी मनाया जाएगा।

खबर संक्षेप

2 नवंबर से होगा भव्य रामलीला महोत्सव का शुभारम्भ

अशोकनगर। प्रतिबर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री राम सिद्ध कला परिषद द्वारा अम्बेडकर भवन पर भव्य रामलीला महोत्सव का आयोजन 2 नवंबर से किया जायेगा। परिषद के सचिव पीयूष पाराशर ने बताया की सर्व ब्राह्मण धर्मशाला में रामलीला की तैयारियां विगत 2 माह से चल रही थी। लीला के निर्देशक अनिल शर्मा द्वारा रात्रि में कलाकारों की रिहर्शल करवायी जाती थी। विगत दिवस सर्ब ब्राह्मण धर्मशाला मे एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमे परिषद के अध्यक्ष शीतल संधू द्वारा आगे की रूपरेखा को बिस्तार से बताया गया एवं सभी की सहमति से विनोद सोनी को परिषद का सह -सचिव नियुक्त किया गया सभी पदाधिकारियों और कलाकारों ने उन्हें शुभकामनायें दी। लीला के निर्देशक अनिल शर्मा ने बताया कि हमारी परिषद द्वारा जो रामलीला की जाती है वह प्रदेश की पहली ऐसी रामलीला है जिसमे बेटियों के द्वारा भी अभिनय किया जाता है बैठक में मुख्य रूप से ऋषिकांत त्रिपाठी, पवन शर्मा, सचिन चैधरी, कैलाश शर्मा, ब्रजेश शर्मा, नरेंद्र शर्मा, विजय वैरागी, देवेंद्र रघुवंशी, राहुल शर्मा, प्रमेंद शर्मा, शिवम पलिया, सोनू शमार, लक्ष्मण बघेल, विवेक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

मतदाताओं की सूची हेतु दावे आपत्ति 31 तक

अशोकनगर। कलेक्टर/अध्यक्ष भारतीय रेडक्रास सोसायटी जिला शाखा अशोकनगर आदित्य सिंह द्वारा अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अनुभाग अशोकनगर को निर्वाचन अधिकारी एवं तहसीलदार तहसील अशोकनगर को सहायक निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिसमें भारतीय रेडक्रास सोसायटी शाखा अशोकनगर के निर्वाचन की प्रक्रिया दिनांक 27 अक्टूबर से शुरू कर दी गई है। इसके अंतर्गत मतदाताओं (सदस्यों) की सूची अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय अशोकनगर/तहसीलदार कार्यालय तहसील अशोकनगर/ सचिव भारतीय रेडक्रास सोसायटी कलेक्टर अशोकनगर में चस्पा की गई है। सूची में जो भी सदस्य द्वारा दावा-आपत्ति करना चाहे वो निर्वाचन कार्यालय अशोकनगर में 31 अक्टूबर को अपरान्ह 03 बजें तक प्रस्तुत कर सकते है। इसके बाद किसी भी दावा-आपत्ति को स्वीकार नहीं किया जावेगा।

कलेक्टर ने ईवीएम वेयरहाउस का किया निरीक्षण

अशोकनगर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आदित्य सिंह द्वारा मंगलवार को तहसील परिसर अशोकनगर में स्थित ईव्हीएम वेयरहाउस का मासिक बाहरी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को देखा। इस अवसर पर अपर कलेक्टर डीएन सिंह,कार्यपालन यंत्री ग्रामीण यांत्रिकी सेवा अशोकनगर एवं नोडल अधिकारी ईव्हीएम विनोद गंगवाल,जिला कोषालय अधिकारी आदि रहे उपस्थित ।

3 अधिकारियों पर हुई कार्रवाई

अशोकनगर। कलेक्टर आदित्य सिंह द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र का जबाव समाधानकारण प्रस्तुत नही करने पर जे.पी. (के.के.) शर्मा सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, पशु चिकित्सालय मुंगावली एवं मिथलेश रैकवार प्रभारी परियोजना अधिकारी चन्देरी की एक-एक वेतनवृद्धि रोके जाने हेतु आदेश जारी किये गये है। इसी प्रकार वेदप्रकाश गोयल, विकास खण्ड स्त्रोत समन्वयक चन्देरी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया था। कारण बताओ नोटिस का जबाव समाधानकारक नहीं पाये जाने परिनिन्दा की लघुशास्ति अधिरोपित किये जाने हेतु आदेश जारी किया गया है। इसी प्रकार विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी विकासखण्ड चन्देरी प्रशांत दुबे को चेतावनी पत्र जारी करते हुए कारण बताओ नोटिस नस्तीबद्ध किया गया है।

कलेक्टर ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

ट्रामा सेंटर में आने वाले रोगियों के लिए मशीनों की सुविधा जल्द होगी उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

जिला चिकित्सालय का कलेक्टर ने निरीक्षण किया इस अस्पताल में जिला होने के बाद भी समस्याएं बनी हुई हैं। इन समस्याओं के निराकरण को लेकर जल्द ही कुछ नया होने जा रहा है। यहां कईं पुराने भवनों को भी हटाया जाएगा ताकि दूर से जिला अस्पताल का भवन नजर आए और वाहनों की पार्किंग आसानी से हो सके। अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

इन सभी मुददों को लेकर कलेक्टर आदित्य सिंह ने बताया कि जिला अस्पताल को जो भवन बना हुआ है उसके आगे कईं भवन बने हैं जिनके कारण न तो जिला चिकित्सालय का भवन नजर आता है और न ही वाहन आसानी से खड़े हो पाते हैं। एम्बुलैंस जैसे वाहनों को आने जाने में समस्या होती है ऐसी स्थिति में जिला अस्पताल के बाहर जो भवन बने हैं जिन्हें अस्पताल की बिल्डिंग के पहले बनाया गया था। उन भवनों को आज भी बनाकर रखा गया है। जिसके कारण जिला अस्पताल में आने वाले मरीजों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और जिला अस्पताल का महत्व पूरी तरह लाभप्रद नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में जिला अस्पताल का निरीक्षण करने के बाद कईं निर्णय लिए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जो निर्णय लिए गए हैं उनमें जिला अस्पताल के मुख्य भवन के बाहर जो टीकाकरण केन्द्र है, क्षयरोग कक्ष के साथ, सोनोग्राफी भवन और सिविल सर्जन का कार्यालय के साथ पुलिस चौकी आदि हैं इन सब को यहां से हटाने का निर्णय लिया गया है। उसके स्थान पर एक नया ब्लॉक बनाया जाएगा ताकि यहां बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसके अलावा अस्पताल के मुख्य द्वार को बड़ा किया जाएगा तथा यहां अस्पताल के बाहर जो ऑटो व अन्य वाहन खड़े होते हैं उन्हें वहां से अन्य स्थान पर भेजा जाएगा। साथ में एनआरसी के आगे जो एरिया है वहां मातृ शिशु वार्ड बनाया जाएगा। इसके अलावा जिला अस्पताल के बाहर जहां मुख्य मार्ग है वहां पर दुकानों का निर्माण किया जाएगा और नीलामी के माध्यम से दुकानें प्रदान कीं जाएगीं।

जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम के लिए अभी वाहन मुख्य द्वार से होकर ही जाते हैं इन्हे अलग से रास्ता बनाया जाएगा ताकि पोस्टमार्टम कक्ष तक आने जाने वाले लोगों को तथा पोस्टमार्टम वाहन को कक्ष तक पहुंचने में समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि यह सब प्लानिंग की गई है ताकि जिला अस्पताल का नया भवन जो 300 बिस्तर का बनाया जा रहा है उसके बाद भी इस भवन के माध्यम से लोगों को उपचार संबंधी सुविधाएं मिलती रहें। उन्होंने कहा कि ट्रामा सेंटर भवन में आने वाले रोगियों के लिए मशीनों की सुविधा जल्द ही उपल्बध करवाई जाएगी। इस संबंध में शासन को लिखा गया है। वर्तमान में यहां के अस्पताल में कईं विशेषज्ञों के पद खाली हैं उन विशेषज्ञों के पदों को भरने के लिए भी व्यवस्था की जा रही है।

तुलसी सरोवर के सौन्दर्यकरण को लेकर होगी बैठक आयोजित

शहर का तुलसी सरोवर में एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसे लेकर कलेक्टर द्वारा इस स्थान के सौन्दर्यकरण और विकास को लेकर एक बैठक भी आयोजित की जा रही है। जिसमें शहर के गणमान्य नागरिकों से सुझाव लिए जाएगें। यह स्थान शहर का एक सुन्दर स्थल बनाया जा रहा है यदि इस तालाब के आस पास से अतिक्रमण हटाया जाए तो उस स्थान को और भी सुन्दर बनाया जा सकता है तथा इसकी सुन्दरता में चार चांद लग सकते हैं।

आठ वर्षों से कर रखा था अवैध कब्जा

वन विभाग ने पिछोर परिक्षेत्र में 50 हेक्टेयर वनभूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई

हरिभूमि न्यूज ⏭ शिवपुरी

सामान्य वनमंडल शिवपुरी द्वारा चलाए जा रहे अतिक्रमण निरोधी अभियान के तहत वन परिक्षेत्र पिछोर ने कार्रवाई करते हुए 50 हेक्टेयर अतिक्रमित वनभूमि को मुक्त कराया। यह भूमि ग्राम गता झलकुई के समीप स्थित बीट झलकुई, कक्ष क्रमांक पीएफ 1154 में थी, जहां पिछले आठ वर्षों से 68 अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध कब्जा किया गया था।

वन परिक्षेत्राधिकारी पिछोर के नेतृत्व में गठित दल में वन विभाग, राजस्व विभाग तथा पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल थे। दल में उड़नदस्ता दल वनवृत्त शिवपुरी और सामान्य वनमंडल शिवपुरी की टीमें भी उपस्थित रहीं। कार्रवाई के दौरान 6 जेसीबी मशीनें और 4 ट्रैक्टर मय कल्टीवेटर की सहायता से अतिक्रमण हटाया गया। कब्जे वाले क्षेत्र में बनी पत्थर की दीवारें, बाड़ एवं लोहे की तार फेंसिंग को हटाकर जप्त किया गया। वन भूमि को पुनः संरक्षित स्वरूप में लाने हेतु मौके पर कंटूर ट्रेंच खुदवाने की व्यवस्था की गई।

वन विभाग द्वारा बताया गया कि आगामी वर्षा ऋतु में उक्त क्षेत्र में व्यापक वृक्षारोपण कर वन क्षेत्र को पुनर्जीवित किया जाएगा। शिवपुरी वनमंडल अंतर्गत सभी परिक्षेत्रों में अतिक्रमण हटाने की इस मुहिम को निरंतर जारी रखा जाएगा। वन विभाग ने आम नागरिकों से अपील की है कि वन भूमि पर अतिक्रमण करने से बचें तथा वन संपदा की रक्षा में सक्रिय सहयोग प्रदान करें। यह सामूहिक दायित्व है कि हम अपने वन संसाधनों को सुरक्षित रखते हुए पर्यावरण संरक्षण में सहभागी बनें।

जगह-जगह की गई आरती

सहस्त्रबाहु जयंती पर शहर में चल समारोह निकला गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

शहर में भगवान सहस्त्र बाहु अर्जुन की जयंती पर कल्चुरी समाज द्वारा एक चल समारोह निकाला गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में समाज जनों ने भाग लिया। जिसमें महिलाएं और पुरूष शामिल थें। जगह जगह भगवान की आरती की गई और पुष्प वर्षा की गई।

यह चल समारोह शहर के विभिन्न मार्गों से निकाला गया जिसमें महिलाएं अपने सिर पर कलश रखकर जाते हुए देखीं गई। भगवान सहस्त्र बाहु अर्जुन की तस्वीर को एक रथ पर सजाया गया था। इस दौरान समाज जन भी बड़ी संख्या में नजर आए। अनेक समाज के लोगों को घोड़ों पर सवार होकर इस रथ यात्रा में शामिल होते हुए देखा गया। यह चल समारोह बिलाला मिल रोड़, इन्द्रा पार्क, गांधी पार्क स्टेशन रोड़ आदि मार्गों से निकला। इस दौरान नांचते गाते हुए लोगों को देखा गया। जिन जिन रास्तों से यह चल समारोह निकला उन मार्गों पर लोगों ने पुष्प वर्षा की और भगवान की आरती उतारी। इस दौरान यह आयोजन एक सभा में परिवर्तित हो गया जहां समाज जनों ने सामाजिक एकता पर बल दिया।

मॉडल स्कूल चंदेरी ने आईटी क्विज़ में प्रदेश में जीता उपविजेता का खिताब

चंदेरी। शासकीय मॉडल स्कूल चंदेरी ने एक बार फिर शहर का नाम रोशन किया है। प्रतिष्ठित टीसीएस ग्रामीण आईटी क्विज प्रतियोगिता 2025 में विद्यालय के मेधावी छात्र अनंत सोमानी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश राज्य स्तर पर उपविजेता का स्थान प्राप्त किया है। यह प्रतियोगिता टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण एवं छोटे नगरों के विद्यार्थियों में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि, ज्ञान एवं जागरूकता बढ़ाना है। इस क्विज़ में मध्यप्रदेश के सभी विद्यालयों के विद्यार्थी सहभागिता करते हैं। अनंत सोमानी की यह उपलब्धि न केवल विद्यालय के लिए बल्कि सम्पूर्ण चंदेरी क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि यह सफलता सिद्ध करती है कि प्रतिभा संसाधनों की मोहताज नहीं होती, अवसर मिलने पर सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी भी किसी से कम नहीं। अनंत सोमानी ने बताया कि उन्हें विद्यालय के शिक्षकों व अभिभावकों का निरंतर मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। विद्यालय परिवार ने अनंत सोमानी एवं उनके मार्गदर्शकों को हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं।

जनसुनवाई में 234 आवेदक समस्याएं लेकर पहुंचे, कलेक्टर ने निराकरण के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

प्रति मंगलवार को होने वाली जन सुनवाई के कार्यक्रम में 234 आवेदक अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। जिन्हें कलेक्टर द्वारा समक्ष में सुना गया और विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश जारी किए।

जनसुनवाई में ग्राम महाना निवासी हरिचरण रजक द्वारा प्रधानमंत्री आवास की किस्त एवं मजदूरी का भुगतान कराए जाने, ग्राम कुरवासा निवासी लक्ष्मीबाई लोधी द्वारा स्वसहायता समूह द्वारा मध्यान्ह भोजन बनाने पर एक वर्ष का भुगतान कराए जाने, ग्राम सागर निवासी गुड्डीबाई द्वारा गौशाला की देख रेख हेतु राशि दिलाए जाने,ग्राम बेरखेडी निवासी मूलचंद लोधी द्वारा घर में पानी भरने संबंधी समस्या,ग्राम मढी तूमेन निवासी मनीषा बाई द्वारा कैंसर के इलाज हेतु आर्थिक सहायता दिलाए जाने,ग्राम जमाखेडी निवासी कलाबाई द्वारा भूमि पर जबरन कब्जा किए जाने, ग्राम पिपरोद निवासी रजत कुशवाह द्वारा कुशल श्रमिक की दर पर भुगतान कराए जाने विषयक,अशोकनगर निवासी रानी तिवारी द्वारा मकान गिर जाने पर मुआवजा राशि दिलाए जाने,अशोकनगर निवासी राधा साहू द्वारा कर्मकार मंडल योजना के तहत सहायता राशि दिलाए जाने,ग्राम पिपरिया निवासी अमानसिंह द्वारा ट्राईसाइकिल दिलाए जाने, संबंधी समस्यामूलक आवेदन प्राप्त हुए। प्राप्त आवेदनों के निराकरण समय सीमा में किये जाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को मौके पर दिए।

खेत में कटी फसल को पानी से बचाव ढका गया

राजपुर। दो दिनों से हों रही लगातार रिम झिम वर्षा से किसान चिंतित दिखाई दे रहें हैं। खेतों में पड़ी मक्का की फ़सल कुछ किसानों ने निकाल कर रख ली थी। कईं किसानों की फ़सल खेत मे पड़ी पडी वेकार हों रही हैं वे मौसम वर्षा से उन किसानों के चेहरों पर चिंता की लकीरे हैं जिनकी फसल बाहर पड़ी है।

श्याम परिवार ने बैठक में आयोजन की विस्तृत रूपरेखा तय की

करैरा में बसंत पंचमी पर खाटू श्याम का दिव्य दरबार व कन्या विवाह से सजेगी भक्तिमय बेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ करैरा

भगवान खाटू श्याम की कृपा से करैरा शहर में आगामी बसंत पंचमी का उत्सव एक अनोखे रंग में रंगने की तैयारी जोरों पर है। मेरा श्याम परिवार के तत्वावधान में श्री खाटू श्याम का दिव्य दरबार सजाया जाएगा, जहां कन्या विवाह का आयोजन भी होगा। यह कार्यक्रम न केवल धार्मिक उल्लास का प्रतीक बनेगा, बल्कि सामाजिक सद्भाव की मिसाल भी कायम करेगा। बुधवार को श्याम परिवार द्वारा आयोजित बैठक में इसकी विस्तृत रूपरेखा तय की गई, जिसमें पुरुष और महिला सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

मेरा श्याम परिवार, जो वर्षों से खाटू श्याम जी के भक्तों को एकजुट करने का माध्यम बना हुआ है, ने इस बार 23 जनवरी 2026 को निर्धारित विवाह समारोह की तैयारियों पर खास फोकस किया। बैठक की अध्यक्षता संरक्षक मनोज त्रिपाठी और राजू नीखरा ने की, जबकि अध्यक्ष राम गोपाल शर्मा ने सभी को प्रेरित किया। चंद्रशेखर शर्मा, श्री आशीष शर्मा, बृजेश शर्मा, रामबाबू कर्ण, नीरज श्रीवास्तव, अंश सोनी, सुदीप साहू, सचिन पहारिया, प्रदीप अवस्थी, अनिल सोनी, नीरज यादव, पंकज कुचिया चौरसिया, सुनील शिवहरे, सिद्धार्थ तिवारी और अजय साहू प्रमुख सदस्यों ने विभिन्न सुझाव दिए। इन चर्चाओं में यह तय हुआ कि विवाह का हर पहलू भगवान श्याम की भक्ति से प्रेरित होगा, ताकि आयोजन भव्यता के साथ-साथ सादगी का संदेश भी दे सके। महिला मंडल की भूमिका इस आयोजन की जान बनेगी। अध्यक्ष श्वेता नगरिया के नेतृत्व में अंजली नीखरा, बंदना नोगरैया, गायत्री साहू, संजना सेठ, रुचि कुचिया, ममता सादेले, कल्पना गुप्ता, रंजना शर्मा और निधि सोनी ने अपनी जिम्मेदारियां स्पष्ट कीं। प्रत्येक सदस्य की भूमिका निर्धारित की गई। कुछ सजावट संभालेंगे, तो कुछ भोजन व्यवस्था। महिलाओं ने विशेष रूप से कन्याओं के श्रृंगार और संगीत कार्यक्रम पर विचार-विमर्श किया, जो खाटू श्याम जी के भजनों से सजा होगा।

बैठक का एक रोचक पहलू यह था कि सभी ने सर्वेक्षण की योजना बनाई। मंडल के स्वयंसेवक घर-घर जाकर उन जोड़ों का चयन करेंगे, जो वास्तव में विवाह के योग्य हैं और आर्थिक रूप से कमजोर हैं। इससे सुनिश्चित होगा कि सही लाभार्थी कार्यक्रम का हिस्सा बनें। राम गोपाल शर्मा ने कहा, कार्यक्रम करने वाले श्याम हैं और कराने वाले भी श्याम ही। यह भक्ति का माध्यम बनेगा, जहां हर कन्या का विवाह स्वर्गीय अनुभूति देगा। यह दृष्टिकोण आयोजन को केवल एक समारोह से ऊपर उठाकर आध्यात्मिक यात्रा बना देगा। हर वर्ष मेरा श्याम परिवार द्वारा आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम शहरवासियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत बनते हैं।

पिछले वर्षों में भी दर्जनों कन्याओं का विवाह संपन्न हो चुका है। दिव्य दरबार में खाटू श्याम जी की प्रतिमा का विशेष पूजन होगा, उसके बाद सामूहिक भजन-कीर्तन और फिर विवाह। सजावट में पीले फूलों की वर्षा, रंगोली और दीप प्रज्वलन से वातावरण भक्तिमय हो जाएगा। भव्य भंडारा भी आयोजित होगा , सभी भक्तों का पूरा ध्यान रखा जाएगा, ताकि कोई असुविधा न हो। यह आयोजन न केवल धार्मिक महत्व रखता है, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक भी है। मेरा श्याम परिवार महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। बसंत पंचमी के इस पावन पर्व पर करैरा की गलियां श्याम नाम से गूंजेंगी, और नई-नई जोड़ियां जीवन की नई शुरुआत करेंगी। सभी बैठक में सभी भक्तों से अपील भी की है कि वे इस पुण्य कार्य में सहयोग करें।

जिला स्तरीय पीएम आवास मेला कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर

स्थानीय माधव भवन में मंगलवार को पीएम आवास मेला शहरी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनोद उन्नीतान द्वारा उपस्थित जन प्रतिनिधियों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लगे स्टॉलों पर जाकर योजनाओ की अवलोकन किया गया एवं मेले संबंधी जानकारियों से अवगत कराया गया। इस आयोजन में पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पार्षद नगर पालिका महेन्द्र भारद्वाज अशोकनगर ने कहा कि नागरिक गण शासन की जन कल्याणकारी योजनओं का अधिक से अधिक लाभ लें। इस मेले में लगाये गये समस्त योजनाओं के स्टॉलों पर जाकर अपनी अधिकारियों से योजनाओं की जानकारी लेकर उन योजनाओं का लाभ लें। मुख्य नगर पालिका अधिकारी विनोद उन्नीतान ने कहा कि शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना एवं पीएम स्वनिधि योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) के अंतर्गत अधिक से अधिक स्व सहायता समूह गठित कर स्वरोजगार स्थापित करने संबंधी विस्तार से बताया गया कि पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा शहरी पथ विक्रेता एवं छोटे व्यवसायियों को अपना स्वयं का व्यवसाय करने हेतु बगैर ब्याज के बैंकों के माध्यम से प्रथम किश्त 15000, द्वितीय किश्त 25000, तृतीय 50000 कराई जा रही है। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से भी अवगत कराया। सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारी रामवीर सिंह धाकड़ द्वारा सामाजिक न्याय विभाग द्वारा शासन की समस्त पेंशन योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। उपयंत्री नगर पालिका आयुष वर्मा अशोकनगर द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के संबंध में आवास योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु आवेदन आवास योजना के पोर्टल पर आवश्यक दस्तावेज के साथ ऑनलाईन कर लाभ उठाये की विस्तार से जानकारी दी गई। जिला स्तरीय एंकर इवेंट श्श्पीएम आवास मेला-शहरीश्श जिला अशोकनगर में उपस्थित जन समूह द्वारा मेले में लगाये गये समस्त योजनाओ के स्टॉल पर जाकर अपनी अपनी समस्याऐं बता कर हल कराई गई। इस कार्यक्रम में महेन्द्र भारद्वाज पूर्व उपाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पार्षद, प्रमेन्द्र तायडे पार्षद, धमेन्द्र रघुवंशी, गोपाल ओझा, विनोद उन्नीतान मुख्य नगर पालिका अधिकारी अशोकनगर, समस्त बैंकों के प्रतिनिधि शामिल रहे।